

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-01

देहरादून : दिनांक : 18 फरवरी, 2016

विषय :- अनुपूरक मांग में स्वीकृत प्राविधान के अन्तर्गत रु० 2.50 करोड़ (रुपये दो करोड़ पचास लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, उपाकालि के पत्र क्रमशः 4200 उपाकालि/आर०एम०/एन-40 दि०-14-09-2015 तथा सं०-190/उ०पा०का०लि०/प्र०नि० दि०-08-05-15 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, के क्रम में शासनादेश सं०-1148/1/2015-03/09/2015 T.C. दि०-30-10-2015 को जारी की जा चुकी है, के क्रम में स्वीकृत कार्य योजना (प्रति संलग्न) "बिजली की बचत करने एवं बिजली की मांग व आपूर्ति के अन्तर को कम करने के उद्देश्य से राज्य के सभी घरेलू एवं 10 कि०वा० भार तक के अघरेलू बिजली उपभोक्ताओं को रियायती मूल्य पर एल०ई०डी० बल्ब उपलब्ध कराये जाने हेतु उपभोक्ता द्वारा वर्तमान में प्रयोग किये जा रहे जी०एल०एस० बल्ब/सी०एफ०एल० के स्थान 07 वॉट का एल०ई०डी० बल्ब 60 वॉट जो जी०एल०एस०/15 वॉट की सी०एफ०एल० के बराबर प्रकाश देता है, को उपभोक्ताओं को वितरित कराये जाने के लिये वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष कुल कुल रु० 2.50 करोड़ (रुपये दो करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि दिये जाने वाले एल०ई०डी० बल्बों के लिये अग्रिम आहरण तथा व्यय किये जाने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन माननीय राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

1. उपरोक्त कार्य हेतु धनराशि रु० 2.50 करोड़ (रुपये दो करोड़ पचास लाख मात्र) का आहरण निदेशक, उरेडा द्वारा करते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रबन्ध निदेशक, उपाकालि को उपलब्ध करायी जायेगी।
2. स्वीकृत धनराशि व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उनमें व्यय करने से पूर्व पहले से ही ऐसी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
3. किसी अनुदान के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि का बगैर वित्त की सहमति के किसी स्तर से किसी प्रकार के पुर्नविनियोग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है जिन कार्य/मदों हेतु धनराशि स्वीकृत की जा रही है उन्हीं कार्यों/मदों में धनराशि का व्यय किया जायेगा।

4. प्रतिमाह के अन्त में हुयी व्यय विवरण बी0एम0-13 पर एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा किये गये कार्यों का प्रगति विवरण नियमित रूप से शासन को विलम्बतम् 20 तारीख तक प्रत्येक दशा में उपलब्ध कराया जायेगा और महालेखाकार से समय-समय पर आंकड़ों का मिलान सुनिश्चित किया जायेगा।
5. व्यय करते समय स्टोर पर्चेज़ रूल्स, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 एवं वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 बजट मैनुअल तथा अन्य सुसंगत नियमों व तद्विषयक शासनादेशों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
6. अनुपूरक मांग में स्वीकृत धनराशि का समायोजन प्रतिपूर्ति चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के प्रथम अनुपूरक प्रत्येक दशा में कर लिया जायेगा।
7. कुल रू0 12.32 करोड़ (रूपये बारह करोड़ बत्तीस लाख मात्र) की धनराशि का व्यय सभी वित्तीय एवं भण्डारण नियमों के अन्तर्गत सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाय। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
9. उपरोक्त प्रकाशीकरण यंत्रों आदि के क्रय से पूर्व सक्षम स्तर पर प्राप्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
10. प्रस्तावित कार्यों के लिये एक अनुमानित आंगणन पत्र जिसके आधार पर मिलने वाली धनराशि के व्यय से पूर्व Uttarakhand Procurement Policy, 2008 के प्राविधानों के अन्तर्गत खुली निविदाओं के आधार पर सुनिश्चित किया जायेगा।
11. स्वीकृत की जा रही धनराशि अयोजनागत पक्ष में अनुदान सं0-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-800-अन्य व्यय-03-प्रशासनिक व्यय-01-उरेडा के लिये अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा। (मतदेय)
12. उक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-210 दिनांक 18-02-2016 में दिये गये प्रदत्त निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

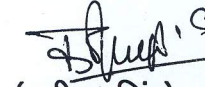
(डॉ० उभाकान्त पंवार)
प्रमुख सचिव

संख्या- 174 (3)/1/2016-03/09/2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव-अपर मुख्य सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, बजट राज्य कोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड।
8. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लि0, देहरादून को उनके पत्र क्रमशः 4200 उपाकालि/आर0एम0/एन-40 दि0-14-09-2015 तथा सं0-190/उ0पा0का0लि0/प्र0नि0 दि0-08-05-15 के क्रम में इस आशय से कि उपरोक्त अवमुक्त धनराशि निदेशक, उरेडा से प्राप्त कर उपरोक्तानुसार एल0ई0डी0 बल्ब के वितरण की कार्यवाही शासनादेश सं0-1148/1/2015-03/09/2015 T.C. दि0-30-10-2015 के द्वारा स्वीकृत कार्य योजना पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।
9. वित्त अनुभाग-02, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(कवीन्द्र सिंह)
संयुक्त सचिव